Hindi Murli Quiz 21-06-2015

Q.1) **Q. "खुदाई-खिदमतगार" पर आधारित इस मैचिंग एक्सरसाइज को ध्यान से करें ---**

	Choice		Match
A	खुदाई-खिदमतगार अर्थात् जो खुदा (बाप) ने खिदमत (सेवा) दी है,	1	जिसने कार्य दिया है उसको कभी भूला नहीं जाता।
B	कार्य करते हुए,	2	तो स्थूल कर्तव्य अर्थात कर्मणा सेवा भी खुदाई खिदमत होती है ।
C	यदि यह स्मृति रहे कि बाप के डायरेक्शन अनुसार कर रहे हैं,	3	वास्तव में पत्तों को बाप नहीं हिलाता, यह सब ड्रामा अनुसार ही चलता है।
D	सहज याद का साधन है,	4	सदा स्वयं को खुदाई-खिदमतगार समझो।
E	यह कहावत है कि पत्ते को हिलाने वाला भी बाप है,	5	उसी खिदमत (सेवा) में सदा तत्पर रहने वाले।

Q.2) **Q. "बाप का डायरेक्शन है कि आपका हर संकल्प बाप-समान, हर बोल बाप-समान, हर कर्म बाप-समान हो अर्थात् श्रीमत के अनुसार हो । अगर श्रीमत के सिवाए संकल्प भी करते हो तो वह व्यर्थ संकल्प हो जाता है । तो आप सभी चैतन्य पत्ते बाप की श्रीमत पर ही हिल रहे हो अर्थात् चल रहे हो ना । तो यह जो कहावत है कि पत्ते को हिलाने वाला भी बाप है, वह भक्ति के समय का नहीं लेकिन संगम समय का गायन है।"**

A. True
B. False

Q.3) **Q. बच्चों ने यह वायदा किया हुआ है कि जहाँ बिठायें, जैसे चलायें, जो करायें, जो खिलायें, वहीं करेंगे। यदि मन और बुद्धि के लिए अपना यह वायदा सदा याद रखो तो सहज योगी बन जायेंगे । बापदादा ने इस वायदे को प्रैक्टिकल में लाने के लिए बैठने, चलने, कार्य करने और खाने पर कुछ डायरेक्शन दी है, उन सभी डायरेक्शन का चयन करें -----**

A. बुद्धि के बैठने का स्थान बाप के पास में है।
B. मन में हर संकल्प भी बाप की श्रीमत अनुसार ही चले ।
C. बुद्धि को बाप ने विश्व सेवा का कार्य दिया है ।
D. बुद्धि का भोजन है - शुद्ध संकल्प न कि व्यर्थ संकल्प वा विकल्प ।

Q.4) **Q. बापदादा बोले कि रीयल सोना हल्का होता है और जब उसमें मिक्स करते हैं तो वह भारी हो जाता है, इसलिए चलने में मेहनत लगती है। इसी प्रकार द्वापर से मिक्स करने के संस्कार बहुत रहे हैं । मिक्स करने की बात निम्नलिखित महावाक्यों में से चयन करके स्पष्ट करें----**

A. पहले पूजा में मिक्स किया, देवताओं को बन्दर का मुँह लगा दिया।
B. शास्त्रों में मिक्स किया जो बाप की जीवन-कहानी में बच्चे की जीवन-कहानी मिक्स की।
C. गृहस्थी में पवित्र प्रवृत्ति के बजाए अपवित्रता मिक्स कर दी।
D. श्रीमत में मनमत मिक्स कर देते । श्रीमत हल्का बनाती है, मनमत मिक्स होने से भारी हो जाते हो

Q.5) **Q. "सदा हल्का रहने से वतन की सभी सीन-सीनरियाँ यहाँ रहते हुए भी देख सकेंगे। ऐसे अनुभव करेंगे जैसे इस दुनिया की कोई भी सीन स्पष्ट दिखाई देती है। सिर्फ संकल्प शक्ति अर्थात् मन और बुद्धि सदा मनमत से खाली रखो। मन को चलाने की आदत बहुत है । एकाग्र करते हो फिर भी चल पड़ता है। तो अगर संकल्प शक्ति आपके कन्ट्रोल में नहीं आती है तो अशरीरी भव का इन्जेक्शन लगा दो। बाप के पास बैठ जाओ। तो संकल्प शक्ति व्यर्थ नहीं उछलेगी।"**

A. True
B. False

Q.6) **Q. शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice		Match
A	तख्तनशीन होकर अपनी स्थूल और सूक्ष्म कर्मेन्द्रियों को आर्डर करो,	1	ईश्वरीय-सर्वेन्ट बनो, ईश्वरीय-सेवाधारी बनो।
B	तख्त से नीचे उतर कर आर्डर करते हो,	2	.तख्तनशीन होंगे तो आर्डर चला सकेंगे।
C	तख्त से नीचे आना अर्थात् कर्मेन्द्रियों के सर्वेन्ट के भी सर्वेन्ट हो जाना,	3	इस बोझ से हल्के हुये बिना ऊंची स्थिति पर नही जा सकते ।
D	अपना बोझ-'कैसे करूँ','कैसे चलूँ' आदि अपने ऊपर न रखो,	4	तो कर्मेन्द्रियाँ भी नही मानती हैं इसलिए मेहनत करते हो ।

Q.7) **Q. "सार्विसएबुल बच्चों का महीन पुरूषार्थ है—संकल्प की भी चेकिंग । सार्विसएबुल बच्चों के संकल्प कभी भी व्यर्थ नहीं होने चाहिए क्योंकि आप विश्व की स्टेज पर एक्ट करने वाले हो और सभी आपको कॉपी करने वाले हैं। जैसे आपको अनेकों की सेवा का शेयर मिल जाता है, वैसे ही अगर आपका एक संकल्प भी व्यर्थ हुआ तो अनेकों को व्यर्थ सिखाने के निमित्त बन जाते हो । इसलिए अब महीन अटेन्शन चाहिए। अगर संकल्प शक्ति को सेवा में बिजी कर देते हो तो व्यर्थ ऑटोमेटिकली खत्म हो जायेगा।"**

A. True
B. False

Q.8) **Q. बापदादा ने टीचर्स को जो डायरेक्शन दी,उसका चयन करें –---**

A. संकल्प, बोल, कर्म व ज्ञान की शक्तियाँ कुछ भी व्यर्थ नहीं जानी चाहिए।
B. चेक करना चाहिए एक्स्ट्रा खर्च क्या-क्या किया फिर उसको चेन्ज करना चाहिए।
C. प्रजा और भक्त आपके चरणों पर झुकें, अभी यह प्रत्यक्ष फल दिखाओ।
D. अब संकल्प से भी सेवाधारी बनो। आपकी विशेषता है मन्सा सेवा। इस विशेषता को अपनाकर विशेष नम्बर लो।
E. सदा अव्यक्त वतन में विदेही स्थिति में उड़ते रहो।

Q.9) **Q. फाइनल रिजल्ट में फर्स्ट नम्बर लेने के लिए श्रेष्ठ हाई जम्प देने वाले पुरूषार्थ की आवश्यकता है । ऐसे श्रेष्ठ पुरुषार्थ के विषय में आज के वरदान में कुछ पॉइंट्स बताये हैं,उनका सही-सही चयन करें ---**

A. दिल के अविनाशी वैराग्य द्वारा बीती हुई बातों को, संस्कार रूपी बीज को जला दो।
B. अमृतवेले से रात तक ईश्वरीय नियमों और मर्यादाओं का सदा पालन करने का ब्रत लो ।
C. मन्सा द्वारा, वाणी द्वारा या सम्बन्ध-सम्पर्क द्वारा निरन्तर महादानी एवं पुण्य आत्मा बन दान-पुण्य करते रहो।
D. गरीब जनता की मदद में खो जाओ ।

Q.10) **Q. निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें ----**
"वृत्ति द्वारा वायुमण्डल को ----------बनाना, यही लास्ट का पुरूषार्थ व सार्विस है।"